"ज्ञान विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षण प्रसार"

-शिक्षणमहर्षी डॉ.बापूजी साळुंखे

श्री.स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था संचलित

राजे रामराव महाविद्यालय, जत

हिंदी विभाग

Academic Year 2021-22

CERTIFICATE COURSE

'हिंदी भाषा का उद्भव एवं विकास'

अवधि: 18/11/2021 से 11/12/2021

समय : 11.00 से दोपहर 01.00

"ज्ञान विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षण प्रसार"

-शिक्षणमहर्षी डॉ.बापूजी साळुंखे

श्री.स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था संचलित

राजे रामराव महाविद्यालय, जत

हिंदी विभाग

Academic Year 2021-22

CERTIFICATE COURSE

'हिंदी भाषा का उद्भव एवं विकास'

2019- 20 से हर साल हिंदी बी.ए.-I,II,III के छात्रो के लिए "हिंदी भाषा का उदभव एवं विकास" यह सर्टिफिकीट कोर्स चल रहा है।

Aims (ध्येय)

1.भाषा एवं भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देना।

2.हिंदी साहित्य को बाजार मूल्य के साथ जोड़ देना।

3.छात्रों में भाषिक कौशल्य विकसित करना।

4.गुणात्मक उन्नति पर ध्यान केंद्रित करना।

Objective (उद्देश्य)

1.हिंदी भाषा का इतिहास परिचित करना।

2.हिंदी भाषा का उदभव और विकास की प्रक्रिया समझाना।

3.मानक हिंदी भाषा से परिचित करना।

4.हिंदी भाषा की संवैधानिक स्तिथि को समझाना।

5.हिंदी की सामाजिक प्रकृति का अध्ययन करना।

Outcome

1. रोजगार के अवसर की जानकारी देकर कौशल्य विकसित करना।

2.साहित्यिक विधाओं के स्वरुप को परिचित कराना।

3.छात्रों की सृजनात्मक प्रतिभा को जागृत करना।

4.सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनितिक तथा विभिन्न परिस्थितियों से तत्कालीन साहित्य में आए परिवर्तन से परिचित करके हिंदी साहित्य की विकास यात्रा से अवगत कराना।

5. बाजारवाद से परिचित कराना।

अध्यापन पद्धति :

1. स्वाध्याय
2. व्याख्यान विवेचन तथा विश्लेषण
3. समूह चर्चा का आयोजन
4. ऑनलाइन व्याख्यान का प्रयोग

मूल्यमापन पद्धति :

1. दैनिक उपस्थिति	10 अंक
2. चर्चा में सहभाग	10 अंक
3. मौखिक परीक्षा	10 अंक
4. लिखित परीक्षा	20 अंक
	(कुल) 50 अंक

उम्र :

12 वी परीक्षा उत्तीर्ण 1

SYLLABUS (पाठ्यक्रम)

अ.न.	घटक	सप्ताह	तासिका
इकाई - 1	भाषा का उद्भव और ऐतिहासिक भाषाविज्ञान, भारत के भाषा परिवार और प्रमुख भाषाएं	1	8
इकाई - 2	हिंदी के उद्भव के बारे में विभिन्न विद्वानों के मत, अपभ्रंश, हिंदी भाषा का वर्गीकरण	2	8
इकाई - 3	हिंदी के विकास में विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं का योगदान, 19 वीं सदी का उर्दू-हिंदी विवाद, हिंदी के संस्कृतनिष्ठ रूप का विकास.	3	8
इकाई - 4	स्वतंत्र भारत की राजभाषा का प्रश्न और हिंदी, संविधान सभा में हिंदी, राजभाषा और हिंदी की आत्मा.	4	8
इकाई -5	आज की हिंदी, कंप्यूटर और हिंदी, इंटरनेट की दुनिया में हिंदी, वैश्वीकरण के दौर में हिंदी, हिंदी का भविष्य.	5	8

संदर्भग्रंथ :

1. अवस्थी, मोहन, हिंदी साहित्य का अद्यतन इतिहास, सरस्वती प्रेस, इलाहाबाद, प्रथम संस्करण- 1990
2. जलज, डॉ. जयकुमार, ऐतिहासिक भाषाविज्ञान, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली, प्रकाशन वर्ष: 2001
3. द्विवेदी, हजारी प्रसाद, हिंदी साहित्य: उद्भव और विकास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, आठवीं आवृत्ती- 2009
4. पाण्डेय, डॉ. लक्ष्मीकान्त और डॉ. प्रमिला अवस्थी, भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा, आशीष प्रकाशन, कानपुर, तृतीय संस्करण: 2009
5. सक्सेना, बाबूराम, सामान्य भाषाविज्ञान, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग; प्रकाशन वर्ष: 1983
6. सिंह,बच्चन, आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, संस्करण- 2011
7. स्नातक, विजयेन्द्र, हिंदी साहित्य का इतिहास, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली, प्रथम संस्करण- 1996

विभाग प्रमुख
हिंदी विभाग,
राजे रामराव महाविद्यालय,जत